डाईंग व प्रिंटिंग द्वारा वस्त्रों का मूल्य संवर्धन विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

रहस्य संदेश ब्यूरो

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर कानपुर देहात द्वारा पांच दिवसीय डाइंग व प्रिंटिंग विधि से वस्त्रो का मूल्य संवर्धन विषय पर प्रशिक्षण का समापन किया गया। यह प्रशिक्षण आईसीएआर द्वारा प्रदत्त 100 दिनी कार्य योजना के तहत किया गया है।कार्यक्रम में महिलाओं/ युवतियों को पांच दिनों में पांच तरह की प्रिंटिंग सिखाई गयी जो कि बांधनी, ब्लॉक, बाटिक, स्क्रीन व फैब्रिक प्रिंटिंग हैं। प्रिंटिंग की विभिन्न तकनीकियाँ सिखाते हुए गृह वैज्ञानिक डॉ निमिषा अवस्थी ने बताया कि जब हम खरीदारी के लिए जाते हैं, तो क्या यह सच नहीं है कि हम आम तौर पर दो या तीन ड्रेस चुनते हैं और

फिर उनमें से सबसे अच्छी ड्रेस चुनते हैं। हालाँकि, जब आपको सादे ड्रेस और प्रिंटेड आउटफिट के बीच चुनाव करना होता है, तो ज़्यादातर आप उस ड्रेस को चुनते हैं जिसमें अनोखे प्रिंट होते हैं क्योंकि वे ज़्यादा आकर्षक होते हैं, डा अवस्थी ने बताया कि प्रिंटिंग ऐसी विधा है जो कपड़ो में प्रयोग करके उनको यूनीक व सुंदर बनाया जा सकता है । कार्यक्रम के प्रथम दिन बांधनी फिर क्रमश: ब्लॉक, बाटिक, स्क्रीन व अंतिम दिन फैब्रिक प्रिंटिंग सिखा गया । अंतिम दिन प्रमाण पत्र देकर कार्यक्रम का समापन किया गया । कार्यक्रम में केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने प्रमाण पत्र वितरित करते हुए कहा कि महिलाएं इस कला का उपयोग करके न सिर्फ अपने वस्त्र सुंदर बना सकती हैं बल्कि इनका उपयोग करके उत्पाद बना कर बाजार में बेचकर आय भी अर्जित कर सकती हैंद्य कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ राजेश राय ने कहा की हाथ से बनी वस्तुओं की बाजार में बहुत मांग है और अच्छी कीमत भी मिलती है कार्यक्रम को सफलता पूर्वक संपन्न कराने में शोध सहायक निकरा श्री शुभम यादव के साथ गौरव शुक्ला का भरपूर सहयोग रहा प्रशिक्षण में ग्राम फंदा की नीतू, स्वाति, संतोषी, रिंकी, बखरिया से राखी, बबिता व ज्योति से दुर्गा इत्यादि सहित 41 महिलाओं ने प्रतिभाग किया

उपदेश टाइम्स

कानपुर से प्रकाशित एवं कानपुर, उन्नाव, लखनऊ, गोण्डा, जौनपुर, फिरोजाबाद, जालौन उरई, कन्नौज, फर्रुखाबाद, एटा से प्रसारित

मूल्य रू0 2.00 कानपुर,रविवार 11 अगस्त,2024 (Email: updeshtim

वस्त्रों के मूल्य संवर्धन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण का समापन

कानपुर नगर उपदेश टाइम्स सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर कानपुर देहात द्वारा पांच दिवसीय डाइंग व प्रिंटिंग विधि से वस्त्रो का मूल्य संवर्धन विषय पर प्रशिक्षण का समापन हुआ। यह प्रशिक्षण आईसीएआर द्वारा प्रदत्त 100 दिनी कार्य योजना के तहत किया गया है।कार्यक्रम में महिलाओं, युवतियों को पांच दिनों में पांच तरह की प्रिंटिंग सिखाई गयी जो कि बांधनी, ब्लॉक, बाटिक, स्क्रीन व फैब्रिक प्रिंटिंग हैं प्रिंटिंग की विभिन्न तकनीकियाँ सिखाते हुए गृह वैज्ञानिक डॉ निमिषा अवस्थी ने बताया कि जब हम खरीदारी के लिए जाते हैं, तो क्या यह सच नहीं है कि हम आम तौर पर दो या तीन ड्रेस

चुनते हैं और फिर उनमें से सबसे अच्छी ड्रेस चुनते हैं हालाँकि, जब आपको सादे ड्रेस और प्रिंटेड आउटफिट के बीच चुनाव करना होता है, तो ज्यादातर आप उस ड्रेस को चुनते हैं जिसमें अनोखे प्रिंट होते हैं क्योंकि वे ज्यादा आकर्षक होते हैं, डा अवस्थी ने बताया कि प्रिंटिंग ऐसी विधा है जो कपड़ो में प्रयोग करके उनको यूनीक व सुंदर बनाया जा सकता है कार्यक्रम के प्रथम दिन बांधनी फिर क्रमशः ब्लॉक, बाटिक, स्क्रीन व अंतिम दिन फैब्रिक प्रिंटिंग सिखा गया अंतिम दिन प्रमाण पत्र देकर कार्यक्रम का समापन किया गया कार्यक्रम में केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने प्रमाण पत्र वितरित करते हुए कहा कि महिलाएं इस कला का उपयोग करके न सिर्फ अपने वस्त्र सुंदर बना सकती हैं बल्कि इनका उपयोग करके उत्पाद बना कर बाजार में बेचकर आय भी अर्जित कर सकती हैं कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ राजेश राय ने कहा की हाथ से बनी वस्तुओं की बाजार में बहुत मांग है और अच्छी कीमत भी मिलती है कार्यक्रम को सफलता पूर्वक संपन्न कराने में शोध सहायक निकरा शुभम यादव के साथ गौरव शुक्ला का भरपूर सहयोग रहा प्रशिक्षण में ग्राम फंदा की नीतू, स्वाति, संतोषी, रिंकी, बखरिया से राखी, बबिता व ज्योति से दुर्गा इत्यादि सहित 41 महिलाओं ने प्रतिभाग किया।

सत्य का असर समाचार पत्र

Sunday 11th August 2024 jksingh.hardoi@gmail.com मोबाइल 9956834016

डाईंग व प्रिंटिंग द्वारा वस्त्रों का मूल्य संवर्धन विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

सत्य का असर समाचार पत्र

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर कानपुर देहात द्वारा पांच दिवसीय डाइंग व प्रिंटिंग विधि से वस्त्रो का मूल्य संवर्धन विषय पर प्रशिक्षण का समापन किया गया। यह प्रशिक्षण आईसीएआर द्वारा प्रदत्त 100 दिनी कार्य योजना के तहत किया गया है।कार्यक्रम में महिलाओं/ युवतियों को पांच दिनों में पांच तरह की प्रिंटिंग सिखाई गयी जो कि बांधनी, ब्लॉक, बाटिक, स्क्रीन व फैब्रिक प्रिंटिंग हैं। प्रिंटिंग की विभिन्न तकनीकियाँ सिखाते हुए गृह वैज्ञानिक डॉ निमिषा अवस्थी ने बताया कि जब हम खरीदारी के लिए जाते हैं, तो क्या यह सच नहीं है कि हम आम तौर पर दो या तीन ड्रेस चुनते हैं और फिर उनमें से सबसे अच्छी ड्रेस चुनते हैं। हालाँकि, जब आपको सादे ड्रेस और प्रिंटेड आउटफिट के बीच चुनाव करना होता है, तो ज़्यादातर आप उस ड्रेस को चुनते हैं जिसमें अनोखे प्रिंट होते हैं क्योंकि वे ज़्यादा आकर्षक होते हैं, डा अवस्थी ने बताया कि प्रिंटिंग ऐसी विधा है जो कपड़ो में प्रयोग करके उनको यूनीक व सुंदर बनाया जा सकता है । कार्यक्रम के प्रथम दिन बांधनी फिर क्रमशः ब्लॉक, बाटिक, स्क्रीन व अंतिम दिन फैब्रिक प्रिंटिंग सिखा गया । अंतिम दिन प्रमाण पत्र देकर कार्यक्रम का समापन किया गया । कार्यक्रम में केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने प्रमाण पत्र वितरित करते हुए कहा कि महिलाएं इस कला का उपयोग करके न सिर्फ अपने वस्त्र सुंदर बना सकती हैं बल्कि इनका उपयोग करके उत्पाद बना कर बाजार में बेचकर आय भी अर्जित कर सकती हैं। कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ राजेश राय ने कहा की हाथ से बनी वस्तुओं की बाजार में बहुत मांग है और अच्छी कीमत भी मिलती है। कार्यक्रम को सफलता पूर्वक संपन्न कराने में शोध सहायक निकरा श्री शुभम यादव के साथ गौरव शुक्ला का भरपूर सहयोग रहा | प्रशिक्षण में ग्राम फंदा की नीतू, स्वाति, संतोषी, रिंकी, बखरिया से राखी, बबिता व ज्योति से दुर्गा इत्यादि सहित 41 महिलाओं ने प्रतिभाग किया।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 44 कानपुर, रविवार 11 अगस्त 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

वस्त्रों का मूल्य संवर्धन विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण का समापन

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर कानपुर देहात द्वारा पांच दिवसीय डाइंग व प्रिंटिंग विधि से वस्त्रो का मूल्य संवर्धन विषय पर प्रशिक्षण का समापन किया गया। यह प्रशिक्षण आईसीएआर द्वारा प्रदत्त 100 दिनी कार्य योजना के तहत किया गया है।कार्यक्रम में महिलाओं युवतियों को पांच दिनों में पांच तरह की प्रिंटिंग सिखाई गयी जो कि बांधनी, ब्लॉक, बाटिक, स्क्रीन व फैब्रिक प्रिंटिंग हैं। प्रिंटिंग की विभिन्न तकनीकियाँ सिखाते हुए गृह वैज्ञानिक डॉ निमिषा अवस्थी ने बताया कि जब हम खरीदारी के लिए जाते हैं, तो क्या यह सच नहीं है कि हम आम तौर पर दो या तीन ड्रेस चुनते हैं और फिर उनमें से सबसे अच्छी ड्रेस चुनते हैं। हालाँकि, जब आपको सादे ड्रेस और प्रिंटेड आउटफिट के बीच चुनाव करना होता है, तो ज्यादातर आप उस ड्रेस को चुनते हैं जिसमें अनोखे प्रिंट होते हैं क्योंकि वे ज्यादा आकर्षक होते हैं, डा अवस्थी ने बताया कि प्रिंटिंग ऐसी विधा है जो कपड़ो में प्रयोग करके उनको यूनीक व सुंदर बनाया जा सकता है । कार्यक्रम के प्रथम दिन बांधनी फिर क्रमशः ब्लॉक, बाटिक, स्क्रीन व अंतिम दिन फैब्रिक प्रिंटिंग सिखा गया । अंतिम दिन प्रमाण पत्र देकर कार्यक्रम का समापन किया गया । कार्यक्रम में केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने प्रमाण पत्र वितरित करते हुए कहा कि महिलाएं इस कला का उपयोग करके न सिर्फ अपने वस्त्र सुंदर बना सकती हैं बल्कि इनका उपयोग करके उत्पाद बना कर बाजार में बेचकर आय भी अर्जित कर सकती हैंद्य कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ राजेश राय ने कहा की हाथ से बनी वस्तुओं की बाजार में बहुत मांग है और अच्छी कीमत भी मिलती है7 कार्यक्रम को सफलता पूर्वक संपन्न कराने में शोध सहायक निकरा श्री शुभम यादव के साथ गौरव शुक्ला का भरपूर सहयोग रहा 7 प्रशिक्षण में ग्राम फंदा की नीतू, स्वाति, संतोषी, रिंकी, बखरिया से राखी, बबिता व ज्योति से दुर्गा इत्यादि सहित 41 महिलाओं ने प्रतिभाग किया।

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश
जेपी नड्डा ने कांग्रेस नेताओं को बताया... 12 | योगी सरकार की पहल, अब इसरो की सैर करेंगे... 05

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews @janexpresslive @janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper
लखनऊ
वर्ष: 15 | अंक: 297
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
रविवार | 11 अगस्त, 2024

नमोहक
भोर

और यह भी बताया
ालय में मनाए जाने
ल उत्सव का उद्देश्य
धिक वृक्ष लगाकर
क्षण प्रदान करना है।
र्यक्रम के अन्तर्गत
के साथ प्रधानाचार्या
बनर्जी तथा सभी
ों ने वृक्षारोपण किया।
ंत में प्रधानाचार्या ने
ान्य अतिथियों को
किया। कार्यक्रम का
ात के साथ हुआ।

गर पुलिस ने
कि, टप्पेबाजी करने
सवारियां बैठा कर
युक्तों ने शुक्रवार को
दी। पीड़ित की
बताया गया कि,
दर्ज हैं। इस गैंग

डाइंग व प्रिंटिंग प्रशिक्षण शाला शिविर का समापन

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर कानपुर देहात द्वारा पांच दिवसीय डाइंग व प्रिंटिंग विधि से वस्त्रो का मूल्य संवर्धन विषय पर प्रशिक्षण का समापन शनिवार को किया गया। यह प्रशिक्षण आईसीएआर द्वारा प्रदत्त 100 दिनी कार्य योजना के तहत किया गया है। कार्यक्रम में महिलाओं व युवतियों को पांच दिनों मे बांधनी, ब्लॉक, बाटिक, स्क्रीन व फैब्रिक प्रिंटिंग में पांच तरह की प्रिंटिंग सिखाई गयी। प्रिंटिंग की विभिन्न तकनीकियाँ सिखाते हुए गृह वैज्ञानिक डॉ.निमिषा अवस्थी ने बताया कि प्रिंटिंग ऐसी विधा है जो कपड़ो में प्रयोग करके उनको यूनीक व सुंदर बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के प्रथम दिन बांधनी फिर क्रमशः ब्लॉक, बाटिक, स्क्रीन व अंतिम दिन फैब्रिक प्रिंटिंग सिखायी गयी। कार्यक्रम में केंद्र के प्रभारी डॉ.अजय कुमार सिंह ने प्रमाण पत्र वितरित करते हुए कहा कि महिलाएं इस कला का उपयोग करके न सिर्फ अपने वस्त्र सुंदर बना सकती हैं बल्कि इनका उपयोग करके उत्पाद बना कर बाजार में बेचकर आय भी अर्जित कर सकती हैंद्य कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.राजेश राय ने कहा की हाथ से बनी वस्तुओं की बाजार में बहुत मांग है और अच्छी कीमत भी मिलती है। कार्यक्रम को शोध सहायक निकरा शुभम यादव के साथ गौरव शुक्ला द्वारा संपन्न कराया गया।

खुशहाल समाज स
को अंतर विद्यालय
एवं परिधान प्रतियो
किया गया चार स्कू
ने फाइनल में भाग
ने एक से बढ़कर ए
डिज़ाइनर बनाई
कार्यक्रम आयोजक
दीक्षित और अर्चना
द्वारा किया गया।
प्रतियोगिता में प्रति
कानपुर विद्या मंदिर
को मेहंदी क्वीन चुन

बुजुग

जन एक्सप्रेस ।

शहर में 70 साल
साल की बच्ची से
करने का आरोप
मानना है कि गनीमत
मौलाना को देख लि
दरवाजा तोड़कर
,मौलाना को नग्न
दबोचा। पकड़े
गिड़गिड़ाने लगा ध
हाथ पर जोड़ने लगा
ही बच्ची उनसे लि
रोते-रोते मौलाना
लगी। मोहल्ले के लोगों
मामले को निपटने
लेकिन इस बीच मौ
फरार हो गया तब
पुलिस को घटना
पर पहुंची पुलिस
आरोपी की तलाश
मिली जानकारी के